आरती
पद्मावती माता की

पद्मावती माता दर्शन की बलिहारियाँ।
चक्रेश्वरी माता दर्शन की बलिहारियाँ।।
पार्श्वनाथ महाराज विराजै, मस्तक ऊपर थारे,
माता मस्तक ऊपर थारे।
इन्द्र फणेन्द्र नरेन्द्र सभी मिल खड़े रहें नित द्वारे,
पद्मावती माता दर्शन की बलिहारियाँ.....

जो जीव थारो शरणो लीनों, सब संकट हर लीनों,
माता सब संकट हर लीनो।
पुत्र पौत्र धन सम्पति देकर, मंगलमय कर दीनो,
पद्मावती माता दर्शन की बलिहारियाँ.....

डाकिन शाकिन भूत भवानी, नाम लेत भग जाये,
माता नाम लेत भग जाये।
वात पित्त कफ रोग मिटे और तन सुखमय हो जाये,
पद्मावती माता दर्शन की बलिहारियाँ.....

जब-जब कष्ट पड़ा भक्तों पर, रक्षा तुमने कीनीं,
माता रक्षा तुमने कीनीं।
बैरी का अभिमान चूर कर इज्जत दूनी कर दीनी,
पद्मावती माता दर्शन की बलिहारियाँ.....

दीप धूप और पुष्पहार ले मैं दर्शन को आयो,
माता मैं दर्शन को आयो।
दर्शन करके मात तुम्हारा मन वाँछित फल पायो,
पद्मावती माता दर्शन की बलिहारियाँ.....